

**PAPER-III**  
**DEFENCE AND STRATEGIC STUDIES**

**Signature and Name of Invigilator**

1. (Signature) \_\_\_\_\_  
(Name) \_\_\_\_\_
2. (Signature) \_\_\_\_\_  
(Name) \_\_\_\_\_

Roll No. 

--	--	--	--	--	--	--	--

  
(In figures as per admission card)

Roll No. \_\_\_\_\_  
(In words)

**D 1 1 1 1**

Time : 2 1/2 hours]

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 32

Number of Questions in this Booklet : 19

**Instructions for the Candidates**

- Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

**No Additional Sheets are to be used.**

- At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
  - To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
  - Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
- Read instructions given inside carefully.
- One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
- If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
- You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
- Use only Blue/Black Ball point pen.**
- Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

**परीक्षार्थियों के लिए निर्देश**

- पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
- लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।  
**इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।**
- परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
  - प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
  - कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चेक कर लें कि वे पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
- अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
- उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
- यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
- केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
- किसी भी प्रकार का संगणक (केलकुलेटर) या लॉग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

**DEFENCE AND STRATEGIC STUDIES**

**रक्षा एवं सत्रातेजिक अधुयन**

**PAPER – III**

**प्रश्नपत्र – III**

**Note :** This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

**नोट :** यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभुयर्थी इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार दें ।

**SECTION – I**

**खंड – I**

**Note :** This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 Marks)**

**नोट :** इस खंड में **बीस-बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. When is war 'Just' ? How can one fight 'Just' war ? Answer with examples.

युद्ध कब 'न्यायोचित' होता है ? 'न्यायोचित' युद्ध किस प्रकार लड़ना चाहिए ? उदाहरणों के साथ उत्तर दीजिए ।

**OR / अथवा**

Identify the major threats to international security. Elaborate.

अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रमुख खतरों की पहचान कीजिए । विस्तारपूर्वक उत्तर दीजिए ।







2. Discuss how the state is a major actor in international relations.

राज्य कैसे अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में प्रमुख ऐक्टर है ? चर्चा कीजिए ।

**OR / अथवा**

Write a note on the economic theories of defence.

रक्षा के आर्थिक सिद्धान्तों पर टिप्पणी लिखिए ।







**SECTION – II**  
**खंड – II**

**Note :** This section contains **three (3)** questions of **fifteen (15)** marks each, to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 Marks)**

**नोट :** इस खंड में **पन्द्रह-पन्द्रह (15)** अंकों के **तीन (3)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

3. Examine the relevance of ‘Balance of Power’ in the Post-Cold war period.

उत्तर शीत युद्ध काल में ‘शक्ति के संतुलन’ की प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिए ।

4. Write a note on India’s Maritime strategy in the 21<sup>st</sup> century.

इक्कीसवीं शताब्दी में भारत की सागरीय युद्धनीति पर टिप्पणी लिखिए ।

5. Enumerate the basic features of India’s defence planning.

भारत की रक्षा योजना की आधारभूत विशिष्टताओं को परिगणित कीजिए ।

















**SECTION - III**  
**खंड - III**

**Note :** This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks each, to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 Marks)**

**नोट :** इस खंड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. Define Comprehensive Security.  
व्यापक सुरक्षा को परिभाषित कीजिए ।

7. Explain Fundamentalism.

कट्टरवाद की व्याख्या कीजिए ।

8. Comment on the difference between Insurgency and Terrorism.  
बगावत तथा आतंकवाद के बीच अंतर पर टिप्पणी कीजिए ।

9. How does Afghanistan feature in India's security ?  
भारत की सुरक्षा में अफगानिस्तान किस प्रकार उपलक्षित होता है ?





12. Discuss the role of NGOs in conflict prevention.  
संघर्ष के रोकथाम में एन.जी.ओज. की भूमिका की चर्चा कीजिए ।

13. Briefly discuss India's energy security scenario.  
भारत के ऊर्जा-सुरक्षा परिदृश्य की संक्षिप्त चर्चा कीजिए ।



14. What are dual use technologies ? Elucidate.  
द्वि उपयोगकारी प्रौद्योगिकियाँ क्या हैं ? संक्षिप्त विवरण दीजिए ।



always present in the other. Although it was given some consideration as a concept during the early Cold War period, it can be argued that it was the economic and political shock of the 1973 Organization of Petroleum-Exporting Countries (OPEC) oil embargo that placed the idea of economic security firmly on the Western policy agenda. The shock waves of that period were still reverberating at the end of the decade, when Robert Keohane and Joseph Nye's *Power and interdependence* was published. This became the crucial text for the neoliberal approach; the authors argued, among other things, that military security issues were not always the primary concern for states and that under certain conditions economic issues might supersede military matters.

सुरक्षा एजेंडा को व्यापक बनाने का सेक्टरल उपागम इसे सेना तथा राज्य-सुरक्षा के पारम्परिक फोकस से आगे ले जाता है तथा इसमें नवीन क्षेत्रों को समाविष्ट करता है । अनेक सेक्टरों के लिए कोई एकल विश्लेषणात्मक उपागम नहीं है; अपितु, एक ही शीर्षक के अंतर्गत अनेक भिन्न अभिप्राय वाली व्याख्याएँ मिलती हैं । आर्थिक सुरक्षा के क्षेत्र में तो ऐसा निश्चित रूप से है जिस क्षेत्र में इस विचार के बीस वर्षों तक की परिचर्चा के बावजूद “इस अभिव्यक्ति की कोई सुस्पष्ट परिभाषा उभर कर सामने नहीं आ पाई है ” ।

सदा से ही आर्थिक व्यवस्था तथा राष्ट्रीय सुरक्षा को कुछ हद तक एक-दूसरे से जुड़ा हुआ माना जाता रहा है । उदाहरणार्थ, एडम स्मिथ ने दि वेल्थ ऑफ नेशन्स में “प्रतिरक्षा” तथा “समृद्धि” के बीच के संबंध की विवेचना की है । पारम्परिक रूप से आर्थिक व्यवस्था तथा सुरक्षा के बीच संबंध का स्वरूप इस प्रकार का रहा है जिसमें आर्थिक व्यवस्था सुरक्षा के अधीनस्थ रही है । राजनीति अभ्यास के साथ सुरक्षा का केंद्रीय संबंध है तथा सुरक्षा राजनीति के फलप्रद अभ्यास का एक आर्थिक आयाम है । राजनीतिक तथा आर्थिक सत्ता के बीच किसी भी मामले में किसी प्रकार का पूर्ण विभेदीकरण कभी भी नहीं किया जा सकता क्योंकि ये दोनों एक-दूसरे के सहगामी हैं । यद्यपि शीत युद्ध के आरम्भक काल में इस संकल्पना पर कुछ विचार किया गया था, यह तर्क दिया जा सकता है कि आर्गनाइजेशन ऑफ पेट्रोलियम-एक्सपोर्ट कंट्रीज (ओ पी ई सी) के 1973 के तैल-प्रतिबंध के कारण उत्पन्न आर्थिक तथा राजनीतिक प्रघात के फलस्वरूप आर्थिक सुरक्षा के विचार को पाश्चात्य नीति के एजेंडा पर दृढ़ता से रखा गया । इस अवधि की प्रघाती-तरंगों की गूंज उस दशक के अंत तक, अर्थात् रॉबर्ट केओहेन तथा जोसेफ ने की कृति पावर एण्ड इंडिपेंडेस के प्रकाशन तक, सुनाई देती रही । नव-उदारवादी उपागम के लिए यह एक निर्णायक कृति बन गई । अन्य बातों के अतिरिक्त लेखक-द्वय ने यह तर्क प्रस्तुत किया कि सैन्य सुरक्षा के मुद्दे राज्यों के लिए हमेशा ही महत्त्वपूर्ण सरोकार वाले मुद्दे नहीं होते तथा विशेष स्थितियों में आर्थिक मुद्दे सैन्य मामलों से अधिक महत्त्वपूर्ण हो सकते हैं ।

15. How does security agenda go beyond traditional security ?  
सुरक्षा एजेंडा किस प्रकार पारम्परिक सुरक्षा से आगे जाते हैं ?



17. Is there a link between economics and security ? Explain.  
क्या आर्थिक व्यवस्था तथा सुरक्षा के बीच संबंध है ? समझाइए

18. In which way did economics come to be on the policy agenda of the Western countries ?  
आर्थिक व्यवस्था किस प्रकार पाश्चात्य देशों के नीतिगत एजेंडा पर आई ?

19. On what basis neo-liberals ascribe primary to economics over military matters ?  
नव-उदारवादियों ने कैसे सैन्य-मामलों पर आर्थिक व्यवस्था को प्राथमिकता दी ?

**Space For Rough Work**

<b>FOR OFFICE USE ONLY</b>	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation)

Date .....